Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

BD-401

# पतंजलि विश्वविद्यालय

## University of Patanjali
## Examination May-June-2023

बी.ए. दर्शन, चतुर्थ सत्र

न्याय दर्शन-2

**Time : 3 Hours** **Max. Marks : 70**

---

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### ( खण्ड -क )

### (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. अपवर्गपरीक्षा प्रकरण का निरूपण करें।
2. इन्द्रियों के भौतिकत्व एवं अभौतिकत्व का विस्तृत विवेचन करें।
3. न्यायदर्शन के चतुर्थ अध्याय में वर्णित किन्हीं तीन प्रवादों का आलोचनात्मक वर्णन करें।
4. महर्षि गौतम के अनुसार 'ज्ञान-गुण' किसका धर्म है? सविस्तार वर्णन करें।
5. न्याय के आत्मनित्यत्ववाद पर प्रकाश डालें।

## ( खण्ड-ख )

### ( लघु- उत्तरीय प्रश्न )

नोटः खण्ड 'ख' में सात ( 07 ) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **( 5 x5 =25 )**

6. ''शरीरादि से भिन्न आत्मा है'' - इस तथ्य को प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।

7. तत्त्वज्ञान के साधनों का उल्लेख करें।

8. ''दर्शनस्पर्शनाभ्यामेकार्थ ग्रहणात्'' सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

9. इन्द्रियों के नानात्व पर प्रकाश डालें।

10. शून्यवाद का निराकरण करें।

11. न्यायदर्शनानुसार दोषों के स्वरूप एवं प्रभेद का वर्णन करें।

12. ''पूर्वकृतफलानुबन्धात् तदुत्पत्तिः'' सूत्र की व्याख्या करें।

----------x----------